



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 97 ]  
No. 97]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 14, 2000/माघ 25, 1921  
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 14, 2000/MAGHA 25, 1921

भारतीय रिजर्व बैंक

( केन्द्रीय कार्यालय )

अधिसूचना

मुम्बई, 20 जनवरी, 2000

विश्व निक्षेपागार रसीदें/अमेरिकन निक्षेपागार रसीदें जारी करने हेतु अनुमति

सा. का. नि. 109( अ ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 ( 1973 का 46 ) की धारा 19 की उपधारा (i) के खण्ड (ए) और खण्ड (डी) तथा धारा 29 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) और इस संबंध में दी गयी सभी अन्य शक्तियों के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक निम्नलिखित को अधोलिखित के लिए सहर्ष अनुमति प्रदान करता है :

(क) भारत में निगमित किसी कंपनी को जो पैरा 2 में दिये गये पात्रता मानदंड पूरा करती है,

(i) भारत के बाहर निवासी व्यक्तियों को विश्व निक्षेपागार रसीदें (जीडीआर)/अमेरिकन निक्षेपागार रसीदें (एडीआर) जारी करने के द्वारा कंपनी के रुपया अभिधानित इक्विटी शेयरों के अन्तर्राष्ट्रीय प्रस्ताव करने के लिए,

(ii) भारत के बाहर निवेशकों को उक्त प्रतिभूतियों निर्यात करने के लिए और

(ख) निवेशकों को इस तरह खरीदी गयी प्रतिभूतियों प्राप्त करने के लिए

2. (1) जारी करने वाली कंपनी के पास ऐसे एडीआर/जीडीआर जारी करने के लिए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार से आवश्यक अनुमोदन हो अथवा संबंधित योजना अथवा वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार एडीआर/जीडीआर जारी करने के लिए पात्र हो, और

(11) जारी करने वाली कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक के स्वचालित मार्ग के अंतर्गत विदेशी निवेशकों को शेयर जारी करने के लिए पात्र हो अथवा उसके पास औद्योगिक सहायता सचिवालय (एसआईए)/विदेशी निवेश उन्नयन बोर्ड से आवश्यक अनुमोदन हो और विदेशी इक्विटी का प्रतिशत स्वचालित मार्ग अथवा एसआईए/एफआईपीबी के अंतर्गत निर्दिष्ट सीमाओं से अधिक नहीं हो।

3. जीडीआर/एडीआर जारी करने वाली कंपनी को निम्नलिखित के लिए भी अनुमति प्रदान की जाती है :

- (i) निक्षेपागार अथवा उसके नामितियों के नाम पर शेयर जारी करने के लिए तथा उक्त शेयरों के संबंध में शेयर प्रमाणपत्र भारत में किसी अभिरक्षक की वास्तविक अभिरक्षा में रखने के लिए जिसके तहत निक्षेपागार जीडीआर/एडीआर भारत के बाहर जारी करेगा।
- (ii) यथाप्रयोज्य भारतीय करों की अदायगी के अधीन जब भी देय हो तब किसी प्राधिकृत व्यापारी के माध्यम से लाभांश प्रेषित करने के लिए।
- (iii) ऐसे अधिकार अथवा बोनस शेयर जारी करने के लिए जो कि जीडीआर/एडीआर के संबंध में उपचित हुए हों।
- (iv) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा यथानुमोदित अथवा भारत सरकार द्वारा जारी संगत दिशानिर्देशों में निहित सीमाओं तक निर्गम संबंधी व्यय का वहन करने के लिए।
- (v) भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा यथानुमोदित अथवा भारत सरकार द्वारा जारी संगत दिशानिर्देशों में निहित सीमाओं तक निर्गम के प्रतिफल में से कटौती करके निर्गम संबंधी व्यय का भुगतान करने के लिए।
- (vi) जहां जीडीआर/एडीआर सूचीबद्ध हों ऐसे किसी अंतर्राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज के संबंध में सतत आधार पर एजेंसी अथवा अन्य शुल्क फाइल करने, सूचीबद्ध करने के लिए प्रेषित करने अथवा अदा करने के लिए।
- (vii) सदस्यों का एक विदेशी रजिस्टर रखने के लिए, यदि आवश्यक हो तो।
- (viii) विदेशी मुद्रा में अभिदान का धन प्राप्त करने के लिए विदेश में खाता खोलने के लिए।
- (ix) जारी करने वाली कंपनी को प्रदत्त सेवाओं के संबंध में बिक्री अथवा मूल्य बढ़ाये गये कर की तरह का कोई विदेशी कर अदा करने के लिए।
- (x) भारत में निर्गम प्रतिफलों का प्रत्यावर्तन होने तक, भारत सरकार द्वारा अनुमत प्रयोजनों में डालने के लिए भारत में निर्गम के प्रतिफलों को प्रत्यावर्तित करने के लिए।
  - (क) विदेश में भारतीय बैंकों की शाखाओं में अथवा उन विदेशी बैंकों में जिन्हें अल्पावधि दायित्वों के लिए स्टैंडर्ड एण्ड पुअर द्वारा ए1 + अथवा मूडीज द्वारा पी1 श्रेणी प्रदान की गयी है, जमा के रूप में अल्पावधि आधार पर अंतरिम व्यवस्था के रूप में निधियों का निवेश करने के लिए अथवा
  - (ख) खजाना बिलों अथवा एक वर्ष से अनधिक की परिपक्वता वाली अन्य मौद्रिक लिखतों में निवेश करने के लिए अथवा
  - (ग) प्राधिकृत व्यापारियों के पास और/अथवा भारत में सरकारी वित्तीय संस्थाओं में विदेशी मुद्रा जमाराशियों के रूप में निधियां रखने के लिए अथवा
  - (घ) भारत में निगमित बैंकों द्वारा भारत से बाहर जारी किये गये जमा प्रमाणपत्रों अथवा अन्य पेपर में निवेश करने के लिए।

4. जारी करने वाली कंपनी :

- (i) निर्गम बंद होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर भारतीय रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा विभाग, केन्द्रीय कार्यालय, मुंबई को एक विवरण प्रस्तुत करेगी जिसमें निर्गम का पूरा विवरण होगा, जैसे कि, जारी किये गये जीडीआर/एडीआर की राशि, जारी किये गये संबंधित ताजा इक्विटी शेयरों की संख्या, सूचीबद्ध करने की व्यवस्था, प्राप्त कुल राशि, विदेश में रखी राशि तथा शुरू करने के बारे में अन्य संगत विवरण तथा जीडीआर का प्रारंभिक व्यापार।
- (ii) निर्गम बंद होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर निर्गम के पहले और बाद में कंपनी का पूंजीगत ढांचा प्रस्तुत करेगी।
- (iii) प्रत्यावर्तन के तुरंत बाद विदेश में रखे निर्गम प्रतिफल के किसी प्रत्यावर्तन के बारे में रिज़र्व बैंक को सूचित करेगी।

[सं. फेरा 214/2000-आर बी]

खिज़र अहमद, कार्यपालक निदेशक

**RESERVE BANK OF INDIA****(Central Office)****NOTIFICATION**

Mumbai, the 20th January, 2000

**Permission to issue Global Depository Receipts/American Depository Receipts**

**G. S. R. 109(E).**—In pursuance of clause (a) and clause (d) of sub-section (1) of Section 19 and clause (b) of sub-section (1) of Section 29 of Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) and all other powers enabling it in this regard, the Reserve Bank is pleased to permit

- (a) a company incorporated in India which fulfils the eligibility criteria laid down in para 2,
    - (i) to make an international offering of Rupee denominated equity shares of the company by way of issue of Global Depository Receipts (GDRs)/American Depository Receipts(ADRs) to persons resident outside India,
    - (ii) to export the said securities to investors outside India and
  - (b) the investors to acquire the securities so purchased.
2. (i) The issuing company has necessary approval from the Ministry of Finance, Government of India to issue such ADRs/GDRs or is eligible to issue ADRs/GDRs in terms of the relevant scheme or notification issued by the Ministry of Finance, and
- (ii) the issuing company is eligible to issue shares to foreign investors under the Automatic Route of Reserve Bank of India or has necessary approval from Secretariat for Industrial Assistance(SIA)/ Foreign Investment Promotion Board (FIPB)and the percentage of foreign equity does not exceed the limits specified under the Automatic Route or the limits specified by the SIA/FIPB.

3. The company issuing GDRs/ADRs is also permitted -

- (i) to issue shares in the name of the depositary or its nominees and to place the share certificates in respect of the said shares in the physical custody of a Custodian in India against which the depositary will issue GDRs/ADRs outside India.
- (ii) to remit dividends through an Authorised Dealer as and when due subject to payment of Indian taxes as applicable.
- (iii) to issue rights or bonus shares that may accrue in respect of the GDRs/ADRs.
- (iv) to incur issue related expenses as approved by the Ministry of Finance, Government of India or up to the limits laid down in the relevant guidelines issued by the Government of India.
- (v) to pay the issue related expenses by way of deductions from the issue proceeds as approved by the Ministry of Finance, Government of India or up to the limits laid down in the relevant guidelines issued by the Government of India.
- (vi) to remit and pay for filing, listing, agency or other fees on ongoing basis in respect of any international stock exchange where the GDRs/ADRs are listed.
- (vii) to maintain a Foreign Register of members, if so required.
- (viii) to open an account abroad to receive the subscription monies in foreign currency.
- (ix) to pay any foreign tax in the nature of sales or Value Added Tax in respect of services provided to the issuing company and reimburse any out of pocket expenses.
- (x) to repatriate the proceeds of the issue to India for deployment for purposes permitted by the Government of India. Pending repatriation of issue proceeds to India
  - (a) to invest the funds as an interim arrangement on short term basis as deposits in foreign banks which are rated for short term obligations A1+ by Standard & Poor or P1 by Moody's or with the branches of Indian banks abroad or

- (b) to invest in treasury bills and other monetary instruments with maturities not exceeding one year or
- (c) to keep the funds as foreign currency deposits with Authorised Dealers and/or Public Financial Institutions in India or
- (d) to invest in Certificate of Deposit or other paper issued outside India by banks incorporated in India.

4. The issuing company shall

- (i) furnish a statement to Exchange Control Department of Reserve Bank of India, Central Office, Mumbai within thirty days from the date of closing of the issue providing full particulars of the issue such as amount of GDRs/ADRs issued, number of underlying fresh equity shares issued, listing arrangements, total amount raised, amount retained abroad and other relevant details regarding launching and initial trading of the GDRs.
- (ii) furnish capital structure of the company before and after the issue within thirty days from the closure of the issue.
- (iii) inform Reserve Bank any repatriation of issue proceeds held abroad immediately on such repatriation.

[No F.E.R.A. 214/2000-RB]

KHIZER AHMED, Executive Director

11

12

13

14

15